दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये सड़क हादसे में चार युवकों की मौत

कोटा के चेचट टोल के समीप तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई थी

- **महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे उत्तर प्रदेश निवासी कार सवार युवक**
- **हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को भी जब्त किया**

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिले के चेचट थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को चेचट टोल के समीप एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। चारों युवक कार के अंदर बुरी तरह से फंस गए थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 3.45 बजे हुआ।

सूत्रों के अनुसार सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला। मृतकों में तीन की पहचान प्रांजुल चतुर्वेदी (26), अंकुश दुबे (21) और श्रेष्ठ बाजपेई (23) निवासी कानपुर के रूप में हुई है, जबकि अन्य एक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस मृतकों के परिजनों से सम्पर्क कर मृतकों की शिनाख्त में जुटी है तथा पुलिस ने मृतकों के शवों को रामगंजमंडी मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी युवक उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर उत्तरप्रदेश कानपुर लौट रहे थे तथा चारों युवक शनिवार को उज्जैन पहुंचे बताए गए थे। दर्शन करने के बाद रविवार सुबह वहां से कानपुर के लिए रवाना हुए थे। एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी खंगालने पर पता चला बताया है कि गाड़ी स्पीड में थी और लहरा रही थी। ड्राइवर को झपकी आने के चलते कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई होगी।

वहीं पुलिस के द्वारा हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिए जाने की जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए व चकनाचूर हो गई। कार तेज गति में होने के कारण चलते ट्रक में घुस गई। हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया। साथ ही ट्रक को भी जब्त किया गया है। कुछ देर यातायात बाधित भी हुआ। जिसके बाद बैरिकेडिंग लगाकर कार को प्रोटेक्ट किया गया और ट्रक को साईड में खड़ा कर दिया गया। घटना के बाद कार में सवार चारों युवक पूरी तरह से फंस गए थे, जिनको बड़ी मशक्कत करके बाहर निकाला गया।

फिलहाल युवकों के शव को रामगंजमंडी अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिए जाने की जानकारी मिली है तथा परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई के साथ शवों का पोस्टमार्टम करवाए जाने की सम्भावना है।

कोटा जिले के चेचट थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

पाली के भावनगर गांव में एक साथ उठी पांच अर्थियां

- **मां और तीन साल के बेटे के शव का एक ही अर्थी पर अंतिम संस्कार किया गया**
- **गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास एक हुये हादसे में चार पीढ़ियों ने जान गंवा दी थी**

पाली, (निसं)। पाली जिला मुख्यालय से करीब 22 किलोमीटर दूर भावनगर गांव (गुड़ा एंदला) में रविवार सुबह जब एक साथ पांच अर्थियां अंतिम संस्कार के लिए उठाई गई तो वहां मौजूद कोई भी व्यक्ति अपने आंसू रोक नहीं सका।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 फरवरी की सुबह गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास एक वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। इस हादसे में जान गंवाने वाले एक ही परिवार के पांच लोगों की अर्थियां आज एक साथ निकली। इस हादसे में चार पीढ़ियों ने जान गंवाई है। मां और तीन साल के बेटे के शव का एक ही अर्थी पर अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार रामलाल कुमावत परिवार के साथ वर्तमान में अहमदाबाद (गुजरात) में रहते थे। ये लोग मूल रूप से पाली के भावनगर (गुड़ा एंदला) के रहने वाले थे। रामलाल कुमावत अपने भांजे विकास पुत्र भंवरलाल कुमावत की शादी में शामिल होने परिवार सहित पाली जिले के मणिहारी गांव आए थे। 20 फरवरी को बंदोली कार्यक्रम में भाग लेने के बाद परिवार रात करीब दो बजे वैन से अहमदाबाद के लिए रवाना हुआ था। 21 फरवरी की सुबह गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास उनकी वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में रामलाल कुमावत (50), उनकी बेटी कोमल (30), बेटा कैलाश (25), मां मथुरा देवी (70), 3 वर्षीय आयुष की मौत हो गई थी। इनके अलावा छह अन्य लोग घायल हो गए, जिनको गुजरात के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रविवार सुबह गांव में कोमल और उनके तीन साल के बेटे आयुष का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। कोमल के पिता रामलाल, कैलाश (रामलाल के बेटे) और मथुरा देवी रामलाल की मां का दूसरी चिता पर एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

जीप ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

एक युवक घायल, हादसे के बाद ड्राइवर फरार हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना इलाके में माइंस घाटी साबली के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार माण्डवा बियोला निवासी संजय पुत्र हुरजी कलासुआ अपने साथी विनोद पुत्र हीरालाल निवासी मांडवा भैराभाई के साथ बाइक पर शिशोद की ओर जा रहा था। माइंस घाटी साबली के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। विनोद को सामान्य चोटें आईं। हादसे के बाद बोलेरो ड्राइवर वाहन सहित मौके से फरार हो गया सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। संजय की हालत गंभीर होने पर उसे डूंगरपुर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार संजय के दाहिने पैर और एक हाथ में गंभीर चोटें आई थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार बोलेरो ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

बीकानेर से एजीटीएफ ने तीन साल से फरार इनामी तस्कर को पकड़ा

बीकानेर/जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत तीन साल से फरार पन्द्रह हजार रूपये के इनामी शराब तस्कर बनवारी लाल विश्नोई उर्फ अभिषेक निवासी रासीसर थाना नोखा जिला बीकानेर को धर दबोचा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एजीटीएफ के कांस्टेबल मगनाराम की पुख्ता सूचना पर हुई। इनपुट था कि लंबे समय से वांछित अपराधी बनवारीलाल अपने पैतृक क्षेत्र बीकानेर में देखा गया है। सूचना मिलते ही एसपी ज्ञानचंद यादव व एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन और डीएसपी फूलचंद टेलर व एएसआई राकेश जाखड़ के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम गठित कर बीकानेर रवाना की गई। पुलिस टीम जब बीकानेर के नोखा पहुंची तो पता चला कि आरोपी गांव के पास ही बस स्टैंड पर मौजूद है। जैसे ही बनवारी लाल ने पुलिस की गाड़ियां देखीं, उसने भागने का प्रयास किया। लेकिन पहले से मुस्तैद एजीटीएफ और स्थानीय नोखा पुलिस की टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। दबोचे जाने के बाद आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए थाना सिणधरी जिला बालोतरा पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी बनवारीलाल उर्फ अभिषेक का नेटवर्क काफी बड़ा है। वह पंजाब से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रकों के जरिए गुजरात सप्लाई करता था। जुलाई 2023 में सिणधरी पुलिस ने एक ट्रक पकड़ा था, जिसमें 924 कार्टून अवैध शराब और 183 कार्टून बीयर बरामद हुई थी। बनवारीलाल खुद ट्रक लोड करवाता था और ड्राइवर राजूराम के जरिए सप्लाई भेजता था। वह पिछले 3 सालों से लगातार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

डीएसपी फूलचंद टेलर के नेतृत्व में अंजाम दी गई इस कार्रवाई में एएसआई राकेश जाखड़ कांस्टेबल मगनाराम (मुख्य सूचनाकर्ता), सुनील और सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। एजीटीएफ अब प्रदेश के अन्य बड़े गैंगस्टरों और तस्करों की लिस्टिंग कर उनकी घेराबंदी में जुटी है।

रामगढ़ व मुकुन्दरा में बाघ-बाघिन को खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी शुरू

- **बाघिन एमटी-7 को रेडियो कॉलर पहनाकर 21 हेक्टेयर के एनक्लोजर में शिफ्ट किया**
- **बाघ आरवीटी-7 को भी बड़े एनक्लोजर में शिफ्ट करने की तैयारी शुरु की**

बूंदी, (निसं)। रणथंभौर की बाघिन टी-114 के तीन वर्षीय बाघ-बाघिन भाई-बहिन एमटी-7 व आरवीटी-7 को एनटीसीए से हरी झंडी मिलने के साथ ही 5 हेक्टेयर के शॉफ्ट एनक्लोजर से चरणबद्ध तरीके से खुले जंगल में छोड़ने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

मुकुन्दरा के फील्ड डायरेक्टर सुगनाराम जाट की देखरेख में शनिवार को डॉ. तेजेन्द्र सिंह रियाड़ की टीम ने बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर रेडियो कॉलर लगाकर 21 हेक्टेयर के एनक्लोजर में छोड़ा है। एनक्लोजर को नेट लगाकर अपारदर्शी बनाया गया है। गौरतलब है कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने हाड़ौती के दोनों टाइगर रिजर्व में बाघों के रिवाईल्ड होने के प्रस्ताव को चरणबद्ध तरीके से अनुमोदित कर दिया था। मुकुन्दरा में स्थित बाघिन एमटी-7 को 5 हेक्टेयर के बाड़े की जगह 21 हेक्टेयर के बाड़े में छोड़ा गया है और अब रामगढ़ में भी बाघ आरवीटी 7 को एनक्लोजर के नजदीक के बड़े बाड़े में छोड़ने की तैयारी है। कुछ दिन दोनों बाघों के व्यवहार का अध्ययन कर उन्हें जल्दी ही खुले जंगल में छोड़ा जाएगा।

रणथंभौर में बाघ-बाघिन को खुले जंगल में छोड़ने की कार्यवाही शुरू की।

धौलपुर : पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा की गाड़ी से 22 लाख की नकदी बरामद

- **पूछताछ में अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि यह राशि वह सिंचाई विभाग के एईएन तपेंद्र मीणा से लेकर आ रहे थे**

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के सैंपऊ कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया जब नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा की गाड़ी से 22 लाख रुपये नकद बरामद हुए। मामला कंचनपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां नियमित गश्त के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया।

पुलिस के अनुसार कंचनपुर थाना पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस को शक हुआ और टीम ने तुरंत पीछा कर वाहन को रुकवाया। तलाशी लेने पर गाड़ी से 22 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। वाहन में सवार व्यक्ति की पहचान सैंपऊ नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा के रूप में हुई। पूछताछ में अर्जुन कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि यह राशि वह सिंचाई विभाग के एईएन तपेंद्र मीणा से लेकर आ रहे थे। हालांकि इतनी बड़ी नकद राशि के संबंध में मौके पर कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस को मामला प्रथमदृष्टया संदिग्ध लगा, जिसके बाद गाड़ी और बरामद नकदी को जब्त कर लिया गया। कंचनपुर थाना पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की सूचना उच्च अधिकारियों को दी। साथ ही आयकर विभाग को भी मामले की जानकारी भेजी गई है, ताकि नकदी के स्त्रोत और उपयोग की जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि यह स्पष्ट किया जा रहा है कि इतनी बड़ी राशि किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में लाई जा रही थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक हलकों में भी हलचल देखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। आवश्यक दस्तावेज और संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और आयकर विभाग की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

कोटा में युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक 40 वर्षीय युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड़ कर लिया। सूचना पर मौके पर पहंची पुलिस ने जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार मृतक सिक्यूरिटी गार्ड का काम करता था। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। कुन्हाड़ी थाना इंचार्ज कौशल्या ने बताया कि इलाके के कृष्णा विहार निवासी जितेन्द्र (40) जो गार्ड की नौकरी करता था, जिसने घर में ही फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना इंचार्ज ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हादसे में बाइक चालक घायल

निवाई, (निसं)। रविवार को अज्ञात वाहन ने झिलाय रोड़ नई पुलिया पर एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार श्रीराम अग्रवालघायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी घासीराम मीणा मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाया।

अनैतिक गतिविधियों का पर्दाफाश

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस और डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम (डीएसटी) ने अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सीमलवाड़ा कस्बे में एक दुकान की आड़ में चल रहीं नैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दुकान संचालक और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है।

डूंगरपुर डीएसपी और जांच अधिकारी तपेंद्र मीणा ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि सीमलवाड़ा स्थित एक दुकान में अनैतिक गतिविधियां चल रही है। सूचना की पुष्टि होने के बाद सीमलवाड़ा डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक रणनीति तैयार की। पुलिस ने इस अवैध कारोबार का पर्दाफाश करने के लिए एक बोगस ग्राहक को दुकान पर भेजा। जैसे ही दुकान संचालक ने सौदा तय किया और बाहर तैनात पुलिस टीम को इशारा मिला, टीम ने तुरंत दुकान पर दबिश दी। अचानक हुई इस कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से दुकान संचालक भंवर सिंह राव और पश्चिम बंगाल की एक महिला को गिरफ्तार किया है।

टोंक में जंगली जानवरों ने 10 भेड़ों को मारा

टोंक, (निसं)। जिले के अलीगढ़ क्षेत्र के बरूधन गांव में शनिवार रात अज्ञात जंगली जानवरों ने बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला कर दिया। वहीं हमले में 10 भेड़ों की मौत हो गई, आठ गंभीर घायल हैं और तीन भेड़ें लापता हो गई। घटना का पता रविवार सुबह भेड़ों के मालिक को चला।

पीड़ित रामकल्याण गुर्जर ने बताया कि शनिवार रात अन्य दिनों की तरह भेड़ों को घर के पास बने बाड़े में बंद किया था, सुबह उठकर देखा तो कई भेड़ें लहूलुहान हालत में पड़ी थी। हमले में मरी 10 भेड़ों को जंगली जानवर आधे से ज्यादा खा चुके थे। आठ भेड़ें गंभीर घायल मिली। तीन भेड़ों के बारे में आशंका है कि जंगली जानवर उन्हें उठाकर ले गए। घटना के की सूचना रविवार को वन विभाग को दी गई। बाद में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक छोटू लाल बैरवा के निर्देश पर पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे। मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कर निस्तारण किया गया और घायल भेड़ों का इलाज शुरू किया गया। पटवारी ने भी मौके पर पहुंचकर नुकसान की रिपोर्ट तैयार की।

बूंदी में बिन बरसात चल पड़ा भीमलत जलप्रपात

रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में भीमलत जलप्रपात पूरे वेग से गिर रहा है।

बूंदी, (निसं)। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में विश्व प्रसिद्ध भीमलत जलप्रपात इन दिनों बिन बरसात भी पूरे वेग से गिर रहा है।

जलप्रपात के ऊपर बने भीमलत बांध से पानी की निकासी के कारण यह जलप्रपात सर्दियों में भी देशी विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। राजस्थान में यह एक मात्र ऐसा झरना है, जो पूरे साल चलता रहता है। बांध से छोड़ा गया पानी झरने के रास्ते भीमलत वैली में होते हुए नीचे बने अभयपुरा बांध में पहुंचता है, जहां से नहरों में जलप्रवाह किया जाता है। इस साल बारिश अधिक होने से बांध में पर्याप्त पानी उपलब्ध है और रविवार सुबह तक पानी का स्तर 25 फीट था।

प्रदेश में 350 बीएड कॉलेजों में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्सेज में प्रवेश पर रोक लगी

चार वर्षीय बीए-बीएड और बीएससी-बीएड इंटीग्रेटेड कोर्सेज में इस साल प्रवेश नहीं दिए जाएंगे

- **एनसीटीई इस बार 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की जगह आईटीईपी शुरू करने को सख्त है। एनसीटीई ने शिक्षा सत्र 2025-26 में आईटेप की मान्यता के लिए 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल रखा है, वहीं आईटीईपी के लिए प्रदेश के अनेक बीएड कॉलेजों ने आवेदन भी कर रखा है**

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के लगभग 350 बीएड कॉलेजों में संचालित चार वर्षीय बीए-बीएड और बीएससी-बीएड इंटीग्रेटेड कोर्सेज में इस साल प्रवेश नहीं दिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की सख्ती के बाद में कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) कोर्स संचालित करने के लिए पॉलिसी ड्राफ्ट का परिपत्र जारी कर दिया है। इसे आगामी सप्ताह लागू करने की संभावना है।

उधर, नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने भी पीटीईटी-2026 के चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्सेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं की है, जबकि बीएड के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 20 फरवरी से शुरू कर दी है।

सरकार ने एनसीटीई के निर्देशों पर पिछले साल भी दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम पर रोक लगा दी थी। जिस पर नोडल एजेंसी ने चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स के आवेदन शुरू किए थे, लेकिन बाद में आवेदन रोकने पड़े, मगर बाद में बीएड कालेज संचालकों की मांग पर राज्य सरकार ने पिछले साल 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में प्रवेश के लिए शिथिलता के आदेश दिए थे।

प्रदेश में दो वर्षीय बीएड में करीब 1 लाख 7 हजार 760 सीटें हैं। बीए-बीएड कोर्स में 23 हजार 50 सीटें और बीएससी-बीएड में 20 हजार 900 सीटें उपलब्ध हैं। पिछले दो सत्रों में दो व चार वर्षीय बीएड की करीब 50 प्रतिशत सीटें नहीं भर पाई थी।

बीएड कॉलेज में प्रवेश के लिए नोडल एजेंसी ने पीटीईटी -2026 के ऑनलाइन आवेदन 20 फरवरी से शुरू कर दिए हैं। दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 20 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 14 जून को आयोजित की जाएगी।

एनसीटीई इस बार 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की जगह आईटीईपी शुरू करने को सख्त है। एनसीटीई ने शिक्षा सत्र 2025-26 में आईटेप की मान्यता के लिए 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल रखा है।

हालांकि आईटीईपी के लिए प्रदेश के अनेक बीएड कॉलेजों ने आवेदन भी कर रखा है। मगर अब तक एनसीईआरटी क्षेत्रीय संस्थान अजमेर, केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़, संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर सहित आईआईटी जोधपुर आदि संस्थानों को ही मान्यता दी गई है।